सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह
www.swarajindianews.com
swarajindianews swarajindianews
दैनिक सांध्यकालीन
स्वराज इंडिया
कानपुर, मंगलवार, 25 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 314, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

ईमानदारी से चुनाव हो तो भाजपा को उनके घरवाले तक वोट न दें!

» Pg12

इनसाइड केडीए में माया बिल्डर फर्म को बचाने वालों की लगेगी... » Pg03

अयोध्या में 500 साल का इंतजार खत्म

ध्वजारोहण के साथ संपूर्ण हुआ राम मंदिर का निर्माण

पीएम मोदी के रिमोट दबाते ही जय श्रीराम के नारे से गुंजायमान हुआ परिसर, त्रेता युग के बाद पहली बार 10 फीट ऊंचे और 20 फीट लम्बे तिकोने झंडे का आरोहण

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर पर ध्वजारोहण के साथ सनातन धर्मियों के लिए 500 साल का इंतजार आज मंगलवार को खत्म हो गया। सात सौ टन के 44 फीट लंबे दंड पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों ध्वजा फहराई गई। अभिजीत मुहूर्त में ठीक 11:45 पर पीएम मोदी के रिमोट दबाते ही ध्वज लगभग 4 मिनट में शिखर पर पहुंचा। जैसे ही ध्वज ऊपर पहुंचा पूरा परिसर जय श्रीराम के नारे से गूंज उठा। इसके साथ ही राम मंदिर का निर्माण भी संपूर्ण हो गया। 10 फीट ऊंचे और 20 फीट लम्बे समकोण वाले तिकोने झंडे का आरोहण त्रेता युग के बाद पहली बार हुआ है। ध्वज पर भगवान श्री राम की प्रतिमा और वीरता का प्रतीक चमकते सूरज की तस्वीर है। इस पर कोविदार पेड़ की तस्वीर के साथ 'ओम' भी लिखा है। पुराणों के अनुसार कोविदार रामराज्य के ध्वज में अंकित राजचिन्ह है। इसके साथ ही आज का दिन स्वर्णिम इतिहास में दर्ज हो गया है। इस दौरान पीएम मोदी के साथ आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और सीएम योगी भी मौजूद रहे।

ध्वजारोहण से पहले पीएम मोदी रोडशो करते हुए राम जन्मभूमि स्थित मंदिर पहुंचे। यहां सबसे पहले सप्त ऋषि मंदिर पहुंचे। महर्षि वशिष्ठ,महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य,महर्षि वाल्मीकि,देवी अहिल्या, निषादराज गुह और माता शबरी मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद शेषावतार मंदिर गए। माता अन्नपूर्णा मंदिर में दर्शन करने के बाद राम दरबार गर्भगृह में पहुंचकर रामलला का विधिवत दर्शन पूजन किया और आरती उतारी। इसके बाद पीएम मोदी ने सीएम योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के साथ माता अन्नपूर्णा मंदिर में पूजा-अर्चना की। पीएम मोदी रामजन्मभूमि परिसर पहुंचे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं संपूर्ण विश्व के करोड़ों राम भक्तों को इस अविस्मरणीय क्षण की इस अद्वितीय अवसर की शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा, 'आने वाली सदियां और सहस्र शताब्दियों तक ये धर्म ध्वज प्रभु राम के आदर्शों और सिद्धांतों का उद्घोष करेगा, ये धर्म ध्वज आह्वान करेगा कि सत्य की जीत होती है असत्य की नहीं। आज संपूर्ण भारत और विश्व राममय है। हर राम भक्त के हृदय में अपार अलौकिक आनंद है। सदियों के घाव भर रहे हैं। आज सदियों की वेदना विराम पा रही है। सदियों का संकल्प आज सिद्धि को प्राप्त हो रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारा बहुत पुराना सपना अब पूरा हुआ। सदियों पुराने घाव थे अब वह धीरे-धीरे भरने शुरू हुए।

वहीं दूसरी ओर रामलला के दर्शन से वंचित रहे श्रद्धालुओं के लिए मंदिर ट्रस्ट ने राहत भरी घोषणा की है। इसके अनुसार आम भक्तों के लिए रामलला के दर्शन कल, 26 नवंबर से शुरू हो जाएंगे।

राम मंदिर के लिए बलिदान देने वाले लोगों की आत्मा को आज शांति मिली होगी

आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने मंगलवार को कहा कि राम मंदिर के लिए बलिदान देने वाले लोगों की आत्मा को आज मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण के बाद शांति मिली होगी। उन्होंने कहा, इतना ऊंचा ध्वज फहराने में बहुत समय लगा है। आप सब जानते हैं कि मंदिर बनने में कितना समय लगा अगर 500 साल को छोड़ भी दें, तो 30 साल लगे।

ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहुति नहीं बल्कि नए युग का शुभारंभ

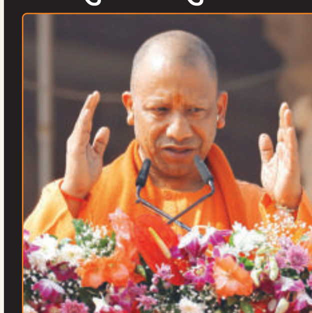

सीएम योगी आदित्यनाथ ने ध्वजारोहण समारोह में अपनी बातों का आगाज सियावर रामचंद्र भगवान, माता जानकी, सरयू मैया की जय, भारत माता की जय और हर हर महादेव के उद्घोष के साथ किया। उन्होंने कहा कि ध्वजारोहण यज्ञ की पूर्णाहूति नहीं, बल्कि नए युग का शुभारंभ है। प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर 140 करोड़ भारतीयों की आस्था, सम्मान व आत्मगौरव का प्रतीक है। सीएम योगी ने भव्य मंदिर के निर्माण में योगदान देने वाले कर्मयोगियों का भी अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि आज का पावन दिन उन पूज्य संतों, योद्धाओं, श्रीरामभक्तों की अखंड साधना-संघर्ष को समर्पित है, जिन्होंने आंदोलन व संघर्ष के लिए जीवन को समर्पित किया। विवाह पंचमी का दिव्य संयोग इस उत्सव को और भी पावन बना रहा है।

ब्रह्म नगर चौराहा जल्द होगा चालू, सुंदरीकरण भी प्रस्तावित

नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने किया मौके का निरीक्षण, जल्द कार्य पूरा करने के निर्देश

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।ब्रह्म नगर चौराहा पर डॉट नाला धंसने से हुए मार्ग अवरोध को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम ने तुरंत कार्यवाही शुरू कर दी है। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय स्वयं स्थल पर पहुंचे और मरम्मत कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय मुख्य अभियंता, सहायक अभियंता जोन-4 तथा संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

चीफ इंजिनियर जैदी ने बताया कि ओएफ़सी एवं विद्युत विभाग द्वारा क्षैतिज दिशा में की गई खुदाई पद्धति से तार डालने के दौरान डॉट नाला क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके कारण चौराहे पर धंसान हुई और यातायात बाधित हो गया।नगर निगम ने निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए अब तक 6 मीटर लंबाई का आरसीसी कक्ष, 18 मीटर लंबाई में इस्पात पाइप (710 मि.मी.) तथा 7.5 मीटर लंबाई में आरसीसी ह्यूम पाइप (1000 मि.मी.) लगाने का कार्य पूरा कर लिया है।

इसके अतिरिक्त 25 मीटर लंबाई में 600 मि.मी. व्यास वाले आरसीसी ह्यूम पाइप, एक सीवर गली कक्ष तथा 7 मीटर लंबाई में 450 मि.मी. व्यास वाले आरसीसी ह्यूम पाइप लगाने का कार्य शेष है, जिसे 10 दिसंबर 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

इन सभी कार्यों के बाद ब्रह्म नगर चौराहा का सौंदर्यीकरण कार्य भी नगर प्रबंधन की योजना के अंतर्गत कराया जाएगा।

नगर निगम ने आश्वस्त किया है कि कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा कर चौराहे पर यातायात जल्द ही सुचारू कर दिया जाएगा। नगर निगम की सक्रियता और त्वरित कार्यशैली से लोगों को उम्मीद है कि ब्रह्म नगर चौराहा शीघ्र ही अपनी पूर्व स्थिति में दिखाई देगा।

सीएम योगी से मिलने घर से बिना बताए मूकबधिर युवती लखनऊ पहुंची

ग्वालटोली से बिना बताए निकली युवती, हाथ से बनाई पेंटिंग लेकर पैदल ढूंढती रही मुख्यमंत्री का आवास

» प्रमुख संवाददाता / स्वराज इंडिया

कानपुर। ग्वालटोली की 20 वर्षीय मूकबधिर युवती खुशी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने की आस में हाथ से बनाई पेंटिंग लेकर शनिवार को लखनऊ विधानसभा भवन के पास पहुँच गई। बेटी के अचानक गायब होने पर परिवार बदहवास हो गया और गुमशुदगी दर्ज कराने ग्वालटोली थाने जा पहुँचा। तभी हजरतगंज पुलिस ने उन्हें फोन कर बताया कि युवती लखनऊ में सुरक्षित मिली है। इसके बाद परिजन देर रात उसे लेकर घर लौटे।

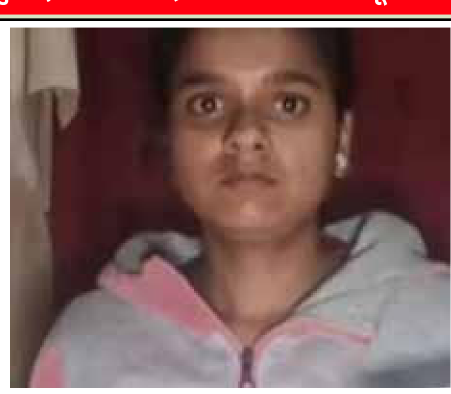

ग्वालटोली अहिराना निवासी सिक्योरिटी गार्ड कल्लू गुप्ता की बेटी खुशी सुबह घर से निकल गई थी। मां गीता घरों में खाना बनाने का काम करती हैं और उस समय ड्यूटी पर थीं। पूरे दिन खोजबीन और रिश्तेदारों से पूछताछ के बावजूद खुशी का कोई सुराग नहीं लगा।

शाम होते-होते परिवार थाने पहुंच गया।इधर, मुख्यमंत्री योगी से अत्यधिक प्रभावित खुशी उनके आवास जाने के लिए पर्ची पर पूछते हुए कानपुर से ट्रेन द्वारा चारबाग पहुँच गई। वहां से विधानसभा भवन का रास्ता पूछकर पैदल ही चल पड़ी। इसी दौरान गश्त कर रहे हजरतगंज थाना प्रभारी विक्रम सिंह की नजर उस पर पड़ी। युवती मूकबधिर होने के कारण उनसे कुछ नहीं बता सकी। पुलिस ने इशारों और कागज पर लिखकर जानकारी जुटाई और उसे थाना ले गई।पूरी जानकारी के लिए ट्रांसलेटर बुलाया गया। तब पता चला कि खुशी टीवी पर मुख्यमंत्री का आवास देख चुकी थी और उसी उत्साह में उनसे मिलने निकल पड़ी थी। थाना प्रभारी ने उसे चॉकलेट व नाश्ता कराया और मिलने की इच्छा पूरी कराने का आश्वासन भी दिया।इस बीच ग्वालटोली थाने में गुमशुदगी दर्ज होने से पहले ही हजरतगंज पुलिस ने परिजनों को युवती के सकुशल होने की सूचना दे दी थी। परिजन रात में ही लखनऊ पहुँचे और खुशी को साथ लेकर घर लौट आए। घर लौटते समय भावुक खुशी ने इंस्पेक्टर को जय हिंद बोलकर धन्यवाद दिया। मां ने बताया कि पैदल चलने से बेटी के पैरों में छाले पड़ गए थे, जिनका इलाज कराया गया।

कानपुर: बाजारों के अतिक्रमण में खो गया फुटपाथ और सड़क

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शहर के प्रमुख बाजारों में अतिक्रमण की वजह से सड़कें और फुटपाथ गायब हो गए हैं। गुमटी और पीरोड, गोविंद नगर बाजार में सबसे हालत खराब है। यहां नगर निगम की टीम एक ओर अतिक्रमण हटाकर जाती है वहीं दूसरी ओर कब्जेदार फिर से दुकानें सजा लेते हैं। पुलिस की ओर से सख्ती न होने की वजह से अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद हैं।

शासन की सख्ती के बाद महापौर प्रमिला पांडेय ने जोनल अधिकारियों को लगातार अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं, लेकिन नगर निगम का पैसा पानी में जा रहा है। हाई कोर्ट के आदेश हैं कि शहर में फुटपाथ और सड़कों पर कब्जे को खाली कराया जाए। जुर्माना लगाया जाए।

हाई कोर्ट ने 10 अक्टूबर को आदेश दिया था। डीएम ने सख्ती और महापौर के निर्देश के बाद नगर निगम शहर में लगातार अतिक्रमण अभियान चला रहा है। लेकिन इसके बावजूद कोई असर नहीं हो रहा है। नगर निगम ने गुमटी में 12 नवंबर को मुमटी के मुख्य मार्ग, फुटपाथ व गलियारों में किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए अभियान चलाया था। अभियान में 75 से अधिक आस्थायी अतिक्रमण हटाए गए। इसके साथ ही जुर्माना भी वसूला गया। लेकिन इसके दूसरे दिन फिर से दुकाने सजने लगी हैं। फुटपाथ के आगे सड़क पर ठंड के कपड़े बिक रहे हैं। मुख्य सड़क के बीचों-बीच गाड़ियां खड़ी हो रही है। इससे राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

संत नगर में भी फुटपाथ गायब

पीरोड से नेहरू नगर मार्ग पर बीचोबीच कपड़े की दुकानें सज रही हैं। फुटपाथों के साथ सड़क पर भी कारोबारियों का कब्जा है। गुमटी नंबर पांच में भी फुटपाथ खत्म हो गया ठेले वालों और दुकानदारों की वजह से आम राहगीरों का निकलना मुश्किल है। कबाड़ी मार्केट संत नगर में भी फुटपाथ गायब हो गया है। व्यापारियों ने सड़क और फुटपाथ घेर रखी है।

मोतीझील से आर्य नगर चौराहा जाने वाले रास्ते पर फुटपाथ गायब हो गया है।

केडीए में माया बिल्डर फर्म को बचाने वालों की लगेगी लंका!

10 करोड़ के फायर फाइटिंग टेंडर में भारी हेराफेरी, शासन सख्त

» **लखनऊ की माया बिल्डर फर्म ने फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र के जरिये टेंडर हासिल किया था**

» मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर।कानपुर विकास प्राधिकरण में करोड़ों के फायर फाइटिंग टेंडर घोटाले को दबाने में जुटे अफसरङ्कर्मचारियों की अब मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। शताब्दीनगर स्थित एफोर्डेबल आवासों में 10 करोड़ रुपये के फायर फाइटिंग सिस्टम के टेंडर में हुए अनियमितता के मामले में शासन ने गंभीर रुख अपनाते हुए संबंधित सभी अधिकारियों से विस्तृत जवाब तलब किया गया है।

लखनऊ की माया बिल्डर फर्म ने फर्जी अनुभव प्रमाणपत्र के जरिये यह टेंडर हासिल किया था।

टेंडर में हिस्सा लेने वाली योग्य फर्मों द्वारा की गई आपत्तियों के बावजूद केडीए अधिकारियों ने फर्म का पक्ष लेकर मामले को दबाने की कोशिश की।

शिकायत जब शासनस्तर तक पहुंची तो सीडीओ दीक्षा जैन को जांच के लिए लगाया गया।

जांच रिपोर्ट में फर्जी अनुभव पत्र और नियम विरुद्ध तरीके से टेंडर देने की पुष्टि हुई, जिसके बाद माया बिल्डर को ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है।

स्वराज इंडिया
कानपुर सिटी
03

केडीए से माया बिल्डर फर्म ब्लैकलिस्ट !

केडीए में दबाए रहे शासन के पत्र

शासन ने 8 मई 2023 को केडीए उपाध्यक्ष को पत्र भेजकर पूरे मामले की जांच रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन यह पत्र महीनों तक विभागीय फाइलों में दबा रहा।

बताया जा रहा है कि लिपिक से लेकर अभियंता और कुछ वरिष्ठ अधिकारी तक पूरे प्रकरण में शामिल थे और मामले को रफा-दफा करने की कोशिश की गई। जब शासन को समय पर रिपोर्ट नहीं मिली तो 13 फरवरी 2023 को दूसरा आदेश जारी कर फिर से रिपोर्ट मांगी गई।

दोबारा आदेश आने के बाद केडीए में हलचल शुरू हुई,

लेकिन उसके बावजूद मामला आगे नहीं बढ़ाया गया। अब शासन ने उस समय के वीसी और सचिव तक से जवाब मांगा है।

फर्म संचालक अश्वनी तिवारी

केडीए में भ्रष्टाचार का बड़ा जाल उजागर

जांच में पता चला कि नॉन-क्वालीफाइड फर्म को करोड़ों का ठेका देकर न केवल नियमों को ताक पर रखा गया बल्कि सरकारी कोष को बड़ा नुकसान भी पहुंचाया गया। कुछ कर्मचारियों और अभियंताओं पर आरोप है कि उन्होंने मामूली आर्थिक लाभ के लिए पूरी प्रक्रिया को फर्म के पक्ष में मोड़ दिया। सूत्रों का कहना है कि शासन अब सिर्फ फर्म तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि उन सभी पर कार्रवाई तय है जिन्होंने फर्म को संरक्षण दिया। कई कर्मचारियों और अभियंताओं पर सस्पेंशन और विभागीय कार्रवाई का खतरा मंडरा रहा है।शासन द्वारा मांगी गई रिपोर्ट के बाद केडीए में अफरा-तफरी का माहौल है। टेंडर से लेकर नोटिंग और फाइल मूवमेंट तक हर स्तर पर जुड़े कर्मचारियों की भूमिका जांच के दायरे में है।यह माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में केडीए में बड़ी कार्रवाई सामने आ सकती है। माया बिल्डर को बचाने की कोशिश में शामिल अफसरङ्कर्मचारियों की लंका लगना तय माना जा रहा है।

अखिलेश दुबे के पार्क आवंटन पर शासन की समिति करेगी जांच

» **हाईकोर्ट के आदेश पर शुरू हुई जांच, जांच समिति को 6 हफ्ते में रिपोर्ट सौंपनी होगी**

» **स्कूल को 10 साल की जिम्मेदारी; अवधि खत्म होने के बाद भी अवैध निर्माण जारी**

»प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर।जूही कलां (साकेत नगर) के ब्लॉक डब्ल्यू-1 में पार्क की जमीन पर अवैध कब्जे और निर्माण के मामले में अब शासन ने सख्ती दिखाते हुए दो सदस्यीय जांच समिति गठित कर दी है। शासन ने यह कदम इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेशों के बाद उठाया है। अदालत ने जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव को जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए थे। कोर्ट में दायर की गई जनहित याचिका में कहा गया कि स्कीम-2 के भूखंड संख्या 559 (क्षेत्रफल 1.11 एकड़) को मूल रूप से पार्क के लिए सुरक्षित रखा गया था।

वर्ष 1998 में केडीए की ओर से पार्क के अनुरक्षण की जिम्मेदारी 10 वर्ष के लिए एक निजी स्कूल, डॉ. ब्रिजकिशोरी दुबे मेमोरियल स्कूल, को सौंपी गई थी। यह अवधि 2008 में समाप्त हो गई, लेकिन नवीनीकरण नहीं किया गया।याचिका में आरोप लगाया गया कि नवीनीकरण न होने के बावजूद स्कूल ने पार्क पर कब्जा बनाए रखा और समय के साथ वहां मकान व अन्य अवैध निर्माण खड़े हो गए। हाई कोर्ट ने टिप्पणी की कि केडीए ने इस पूरे मामले में लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई का कोई ब्योरा नहीं दिया। इसी क्रम में शासन ने आवास सचिव बलकार सिंह और विशेष सचिव राजेश राय को दो सदस्यीय जांच समिति में शामिल किया है। समिति चार सप्ताह में जांच पूरी कर प्रमुख सचिव को रिपोर्ट सौंपेगी, जिसके बाद प्रमुख सचिव दो सप्ताह के भीतर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई कर हलफनामे के साथ कोर्ट में रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। मामले की अगली सुनवाई 5 जनवरी 2026 को होगी। केडीए सचिव अभय पांडेय के अनुसार, समिति का गठन हो चुका है और प्राधिकरण मामले से जुड़े सभी दस्तावेज तैयार करा रहा है। इससे पहले केडीए ने पार्क पर हुए अनधिकृत निर्माण के खिलाफ उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा 26 (क) 4 के तहत वाद दर्ज कर 19 जुलाई 2025 को कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

ट्रांसफार्मर तार-तेल चोरी करने वाले गिरोह का हुआ भंडाफोड़!

'बिजली के डॉक्टर' निकले अंधेरे के डॉन, लाइनमैन समेत नौ गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

अरौल/बिल्हौर (कानपुर)। कहते हैं कि चोर को पकड़ने में सबसे मुश्किल तब होती है जब वही चोरी समझाने वाला हो। और बिल्हौर-अरौल में पिछले कुछ महीने से यही हो रहा था। गांवों के ट्रांसफार्मर एकङ्कएक कर सूख रहे थे। तार कटे, तेल गायब, और सबमर्सिबल पंप ऐसे उड़ते जैसे कोई अदृश्य गैंग रात में झपट्टा मार रहा हो। लोग परेशान, विभाग बैकफुट पर और पुलिस की नींद हराम।

लेकिन सोमवार को इस अंधेरे खेल का पूरा स्क्रिप्ट बदल गया। पुलिस और सर्विलांस के एक झटके ने बिजली उपकरणों की चोरी कराने वाले 'लाइनमैन गैंग का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने दो लाइनमैन समेत नौ शातिरों को दबोचकर जेल पहुंचा दिया, और गिरोह की करतूतें ऐसी निकलीं कि इलाके में दिनभर चर्चा का 'करंट' दौड़ता रहा।

एसीपी बिल्हौर मंजय सिंह के अनुसार, कुछ महीने में ट्रांसफार्मर चोरी की शिकायतें इतनी बढ़ीं कि पुलिस को चार टीमें खड़ी करनी पड़ीं। सर्विलांस ने जब कॉल लोकेशन और रात में होने वाली हलचल को मिलाया तो शक ऐसी जगह पहुंचा जिसे कोई सोच भी नहीं सकता था। अरौल विद्युत उपकेंद्र के संविदा लाइनमैन अतुल कुमार और पूर्व संविदा लाइनमैन जीशान दोनों गिरोह के शातिर उस्ताद थे। पुलिस ने दोनों को तीन दिन पहले उठाया पहले तो दोनों ने पुलिस को गुमराह करते हुए रौब दिखाया।

» **सर्विलांस ने ऐसा जाल बुना कि पूरा गिरोह जंग लगी तार की तरह टूटकर बिखर गया**

» **पिकअप, बाइक, औज़ार और तड़के तक चोरी गया माल हुआ बरामद।**

लेकिन जब पुलिस ने कड़ाई के साथ पूछताछ की तो इनकी आवाज़ ही ट्रिप हो गई। और दोनों ने पूरे गिरोह का नाम और वारदातों का तरीका उगल दिया।

निशानदेही पर पुलिस की रेड, सात बदमाश पटकनी खा गए

दोनों लाइनमैन की सूचना पर पुलिस ने फटाफट दबिशें दीं और इनके सात साथियों को धर दबोचा। शिवम कटियार,अमित कुमार,मंगल उर्फ़ सोनू, अभिषेक कटियार, प्रकाश गौतम, शिवांशु, रवि कटियार (कन्नौज) इनके पास से जंगलेश्वर मंदिर के पास छिपाया गया तार-तेल का भंडार मिला। चोरी में इस्तेमाल बाइक, पिकअप, लग्गी, स्पेशल लोहे की चप्पलें और तार काटने के क्लैंप भी जब्त हुए।

रात में अंधेरा बेचते, दिन में बिजली ठीक करने का नाटक

इस गैंग की असली कहानी पढ़कर आप दंग रह जाएंगे। बताया जाता है अतुल और जीशान दोनों क्षेत्र में बिजली के डॉक्टर के नाम से मशहूर थे। गांव क्षेत्र में तार जोड़ने के दौरान इलाके का नक्शा खंगालते, किस गांव में कौन सा ट्रांसफार्मर है, कहां रात में आवाजाही कम होती है, किस सबमर्सिबल पर कितनी मोटर लगी है- सब कुछ अपने गिरोह को बताकर रात में वारदात कराते। यह गैंग बकोठी पुरवा, मिडुआ, भीटी हवेली, हिंदूपुर, नसिरापुर, नानामऊ, ददिखा गांव में चोरी की वारदात को अंजाम दे चुके हैं। और हैरानी ये कि जीशान को संविदा से पूर्व में ही हटाया जा चुका था।

पुलिस के अनुसार गिरोह बहुत संगठित था एक लोकेशन पकड़ता, एक तार काटता, एक तेल निकालता, एक पिकअप पर माल लादता था। सारा कुछ बिल्कुल फिल्मी स्टाइल में होता था।

बिल्हौर में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर निकली भव्य एकता यात्रा

मुख्य अतिथि पूर्व सांसद सुब्रत पाठक ने सरदार पटेल की जीवनी पर बखान किया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर कस्बे मे मंगलवार को एकता यात्रा का आयोजन धूमधाम से किया गया। बीबीपुर स्थित एक गोल्ड स्टोर से यात्रा का शुभारंभ हुआ, जो मुख्य मार्गों से होकर ब्लॉक परिसर में पहुंचकर संपन्न हुई। तिरंगों और राष्ट्रीय नारों के बीच निकली यात्रा ने पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल बनाए रखा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कन्नौज के पूर्व सांसद सुब्रत पाठक और भाजपा विधायक राहुल बच्चा सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता यात्रा में शामिल रहे। मार्ग में विभिन्न सामाजिक संगठनों व स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर यात्रियों का स्वागत किया।

यात्रा बिल्हौर ब्लॉक में पहुंची तो वहाँ सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। ब्लॉक परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुब्रत पाठक ने सरदार पटेल की जीवनी, उनके संघर्षों तथा देश के एकीकरण में निभाई गई केंद्रीय भूमिका पर प्रकाश डाला। वहीं विधायक राहुल बच्चा ने कहाँ कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देश की कई रियासतों को एकसूत्र में पिरोकर आधुनिक भारत के सुदृढ़ ढांचे की नींव रखी। उनके कठोर प्रशासनिक निर्णय, अदम्य साहस और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण से आज की पीढ़ी को निरंतर प्रेरणा मिलती है।

मुख्य अतिथि ने समारोह के दौरान सरदार पटेल के आदर्शों पर चलने, राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने का आह्वान किया गया। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख मनोरमा कठेरिया, पूर्व जिला अध्यक्ष कौशल अवस्थी, रवि बाजपेई, पूर्व जिला उपाध्यक्ष जेपी कटियार, नवले मिश्रा, प्रभाकर अवस्थी, दीपू अवस्थी, विक्रम मिश्रा, राजकुमार सिंह भदोरिया समेत सैकड़ों भाजपाई मौजूद रहे।

महिलाओं की बड़ी भागीदारी

एकता यात्रा में महिलाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। कस्बे और आस-पास के गांवों से आई बड़ी संख्या में महिलाओं ने पूरे मार्ग में कदमताल करते हुए यात्रा में सक्रिय सहभागिता निभाई। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक उत्साहपूर्ण और प्रभावी बना दिया।

उधारी को लेकर मच गया बवाल, हिरासत में युवक

बाजार में तनाव, पुलिस और भाजपाइयों में तकरार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। अरौल थाना क्षेत्र के मकनपुर कस्बे में रविवार की शाम उधारी के पैसे को लेकर शुरू हुई कहासुनी ने देखते ही देखते बड़ा रूप ले लिया। मिठाई-नाश्ते की दुकान पर दुकानदार और एक युवक के बीच हुए विवाद ने बाजार का माहौल गरमा दिया। आरोप है कि बकाया मांगने पर युवक न सिर्फ भिड़ गया, बल्कि केंद्र और प्रदेश के शीर्ष पदों पर बैठे नेताओं के लिए अभद्र टिप्पणियाँ भी कर डालीं।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची, लेकिन तब तक आरोपी युवक वहां से खिसक चुका था। विवाद की भनक लगते ही स्थानीय भाजपाई भी दुकान पर पहुँच गए और इसी दौरान पुलिस से उनकी तीखी झड़प हो गई। दोनों पक्षों के बीच कुछ देर तक नोकझोंक का दौर चलता रहा।दुकानदार श्याम दीक्षित ने बताया कि उनके यहाँ आरोपी युवक अशफाक की करीब आठ सौ रुपये की उधारी दर्ज है। रविवार को वह दुकान पर आया और नाश्ता करने के बाद बिना भुगतान किए निकलने लगा। रोकने पर उसने लड़ाई-झगड़े पर आमादा होकर आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया। आसपास खड़े लोगों ने पूरे घटनाक्रम के वीडियो भी बनाए, जो बाद में सोशल मीडिया पर फैलने लगे।

आपका अपना स्वराज इंडिया अखबार इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तहरीर मिलने के बाद मामले की जाँच की गई। प्राथमिक साक्ष्यों और उपलब्ध वीडियो क्लिप के आधार पर अशफाक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। देर रात पुलिस ने उसे ईशन नदी के किनारे जंगल के इलाके से दबोच लिया।

पुलिस कार्रवाई को लेकर कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं ने मौके पर विरोध भी जताया और कई बिंदुओं पर अधिकारियों से बहस की। हालांकि पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया और मामला शांत हो गया।

सम्पादकीय

पाक ड्रग-माफियाओं से बचाएं पंजाब के बच्चों को

नापाक पाक की ओर से सीमावर्ती राज्य पंजाब को अस्थिर करने की साजिश पिछली सदी से लगातार की जा रही है। लेकिन अब नशे का नश्तर सुनियोजित ढंग से इसके सीने पर जिस ढंग से चलाया जा रहा है, वह परेशान करने वाला है। पंजाब के पाक सीमा से लगे जिलों में नशीले पदार्थों की आपूर्ति लगातार जारी है। लेकिन अब इस साजिश में एक विचलित करने वाला अनैतिक मोड़ देखने को मिल रहा है। इसमें पाक स्थित ड्रग माफिया भारतीय सीमा में नाबालिगों को एक नशा आपूर्तिकर्ता के तौर पर भर्ती कर रहे हैं। यह कोई मामूली साजिश नहीं है, बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया जा रहा है। ये तकनीकी बदलावों, कानून की खामियों और सबसे बढ़कर बच्चों की मासूमियत का फायदा उठाने का कुत्सित प्रयास ही है। दरअसल, सीमा पार बैठे नशा माफिया कानून के छिद्रों व परिस्थितियों का लाभ उठाने से नहीं चूकते। अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर और फाजिल्का के किशोरों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। इन किशोरों में कई आर्थिक तंगी से जूझ रहे परिवारों से हैं। जिन्हें चंद रुपयों का प्रलोभन दिया जाता है। उन्हें स्मार्टफोनों का लालच भी दिया जाता है। इसके अलावा जो किशोर नशे की दलदल में धंस चुके हैं उनकी कमजोर नस को पकड़कर उन्हें मुफ्त ड्रग्स का लालच दिया जाता है। किसी भी देश के किशोरों का नशे के संजाल में फंसना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बच्चे भविष्य के भारत के कर्णधार होते हैं। यदि वे अभी से नशे की दलदल और नशीले पदार्थों की आपूर्ति में लग जाएंगे तो देश-समाज का भविष्य कैसा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। जिस काम को किशोर लालच से अंजाम दे रहे हैं, सही मायनों में वह बेहद खतरनाक है। वे ड्रोन से गिराए गए हेरोइन के पैकेट व कुछ मामलों में खतरनाक अवैध हथियार उठाते हैं और उन्हें ड्रग माफिया द्वारा बताए गए एजेंटों तक पहुंचाते हैं।

दरअसल, आमतौर पर किशोरों की सामान्य सक्रियता को संदिग्ध नहीं माना जाता। उनका साफ-सुथरा रिकॉर्ड उन्हें कानून प्रवर्तन अधिकारियों की नजर से बचा लेता है।

यदि नाबालिगों की गिरफ्तारी होती भी है तो` नशे के तस्करों के लिये उपयोगी बना देती है। इन बच्चों के खिलाफ कार्रवाई करते समय प्रवर्तन एजेंसियों को उदार रवैया अपनाना चाहिए। दरअसल, कुछ बच्चे परिस्थितियों के मारे भी होते हैं। वे मूलत- अपराधी नहीं होते। कुछ शातिर अपराधी उनका इस्तेमाल करके इस अपराध की दलदल में धकेल देते हैं। सही मायनों में वे सीमा पार से रची गई साजिश और हमारी अपनी व्यवस्था की कमजोरियों के कुचक्र व उससे उपजी आपराधिक व्यवस्था में आसानी से फंस जाते हैं।

असल में, भारतीय किशोर न्याय कानून का उद्देश्य नाबालिगों को सुधारना और सुरक्षा करना होता है। लेकिन इस कानून की मूल भावना का लाभ संगठित नेटवर्कों द्वारा अपने मंसूबों को अंजाम देने को उठाया जा रहा है। हम 21वीं सदी में नशे की तस्करी का मुकाबला बीसवीं सदी के उपायों से नहीं कर सकते हैं। कभी-कभार होने वाली गिरफ्तारियां, छिटपुट छापे और उदार चेतावनी अपर्याप्त कही जा सकती हैं।

हरफनमौला धर्मेंद्र जो किसी पहचान में नहीं बंधे

जयंत शर्मा

धर्मेन्द्र के अभिनय का हर दौर, बदलते सामाजिक और फिल्मी चलनों के हिसाब से ढलता गया। कभी रोमांटिक, कभी एक्शन, कभी हास्य और अंत में पारिवारिक किरदारों में उनकी सादगी और गहराई दर्शकों के दिलों में आज भी ताजा है।...धर्मेन्द्र के अभिनय का हर दौर, बदलते सामाजिक और फिल्मी चलनों के हिसाब से ढलता गया। कभी रोमांटिक, कभी एक्शन, कभी हास्य और अंत में पारिवारिक किरदारों में उनकी सादगी और गहराई दर्शकों के दिलों में आज भी ताजा है।

सिनेमा के हर अभिनेता को लंबे अरसे तक याद करने की वजह होती है। फिल्म इतिहास में अमिताभ बच्चन को यंग एंग्रीमैन के रूप में जाना जाता है, ऋषि कपूर की पहचान डांसिंग हीरो की थी, तो राजकुमार की पहचान उनके अलग ही तेवर वाले अंदाज के लिए रही। लेकिन, धर्मेंद्र जैसे अभिनेता के साथ ऐसी कोई पहचान नहीं जुड़ी। 'शोले' का वीरू मस्तमौला था तो 'सत्यवान' में उनका किरदार ईमानदार, नैतिक और संघर्षरत व्यक्ति का था। बंदिनी में वे संवेदनशील डॉक्टर की भूमिका में थे, तो 'चुपके-चुपके' में वे उस प्रोफेसर परिमल त्रिपाठी के रोल में थे, जिसने हल्की-फुल्की कॉमेडी से दर्शकों को गुदगुदाया। धर्मेंद्र के करिअर की विशिष्ट भूमिकाएं उनकी बहुमुखी प्रतिभा, नायकत्व और संवाद अदायगी के लिए जानी जाती हैं। उनके कुछ किरदार बॉलीवुड के सबसे यादगार और प्रभावशाली माने जाते हैं। धर्मेंद्र ने एक्शन हीरो के तौर पर भी अपनी छवि बनाई। मेरा गांव मेरा देश, प्रतिज्ञा, जुगनू, समाधि, राजा जानी और 'हुकूमत' में साफ दिखाई दिया, जिससे वे 'ही मैन' कहे जाते रहे हिंदी सिनेमा के सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली सितारों में धर्मेंद्र की गिनती होती रही है। उनका फिल्म करिअर छह दशकों से अधिक समय तक चला और उन्होंने 300 से अधिक फिल्मों में अभिनय किया। 1966 में 'फूल और पत्थर' से धर्मेंद्र को जबरदस्त लोकप्रियता मिली, इसके बाद वे 'एक्शन हीरो' और 'ही-मैन' के रूप में पहचाने गए। 1970 के दशक में वे सबसे ज्यादा कमाई करने वाले सितारों में शामिल थे और एक साल में ही 9 से 12 फिल्में रिलीज़ होने का रिकॉर्ड भी उनके नाम रहा था। 'शोले' (1975) में वीरू के किरदार ने उन्हें सबसे बड़ी पहचान दी। लेकिन, वे सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं रहे। सत्यकाम, चुपके-चुपके, मेरा गांव मेरा देश, धरमवीर, सीता और गीता, द बर्निंग ट्रेन, हुकूमत, प्रतिज्ञा, नौकर बीवी का जैसी फिल्मों के लिए भी उन्हें हमेशा याद किया जाता रहेगा। रोमांटिक, एक्शन, कॉमेडी और थ्रिलर समेत हर शैली की फिल्मों में उन्होंने सफलता पाई। लेकिन, ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्मों ने उनके करिअर को नई ऊंचाई दी। 'सत्यकाम' और 'चुपके-चुपके' इसका बेहतरीन उदाहरण है। धर्मेंद्र सिनेमा के ऐसे सितारा रहे, जिन्होंने अभिनय, एक्शन, रोमांस और सामाजिक संदेश वाली फिल्मों के जरिए अपने चाहने वालों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी। उनके अभिनय की विरासत फिल्म इंडस्ट्री में हमेशा अमिट रहेगी। धर्मेंद्र ने कई फिल्मों में हास्य, जोश और भावुकता का अद्भुत मिश्रण पेश किया। दरअसल, उनकी ऐसी भूमिकाएं सिनेमा की सबसे प्रतिष्ठित भूमिकाओं में गिनी जाती हैं। 'फूल और पत्थर' के शाका में वे नेकदिल इंसान के रोल में दिखाई दिए तो 'अनुपमा' का राम रोमांटिक और संवेदनशील चरित्र था, जिसका चर्चित काव्यात्मक अंदाज दर्शक आज भी नहीं भूले। धर्मेंद्र ऐसे अभिनेता रहे, जिन्होंने हर भूमिका, हर जॉनर में अपने अभिनय का जादू बिखेरा और हिंदी सिनेमा की परंपरा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। अपने अभिनय में उन्होंने एक्शन, रोमांस, कॉमेडी और ड्रामा हर भूमिका में बेजोड़ अदाकारी की और अपनी बहुमुखी प्रतिभा से दर्शकों को प्रभावित किया।

सदैव प्रेरित करेगा गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान

350वां शहीदी दिवस

मोहन भंडारी

गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस उनके अद्वितीय बलिदान और मानवता के प्रति समर्पण की याद दिलाता है। उनका योगदान आज भी हमें धर्म, सत्य और स्वतंत्रता के संघर्ष में प्रेरित करता है, जो कालजयी और अमर है।भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक धरोहर में यदि किसी व्यक्तित्व की उपस्थिति सदियों से अडिग, उज्ज्वल और अमर रही है, तो वे हैं श्री गुरु तेग बहादुर जी, जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी मानवता के सच्चे रक्षक, अत्याचार के विरुद्ध अदम्य साहस के प्रतीक और धार्मिक स्वतंत्रता के महान संरक्षक के रूप में जाने जाते हैं।

उनका बलिदान केवल एक समुदाय या क्षेत्र के लिए नहीं था, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए था। ऐसा बलिदान, जिसने भारत की आध्यात्मिक आत्मा को सुरक्षित रखा और 'वसुधैव कुटुम्बकम' के सिद्धांत को जीवंत किया।श्री गुरु तेग बहादुर के बचपन का नाम त्यागमल था। वे छठे पातशाह श्री गुरु हरगोबिंद साहिब व माता नानकी जी की संतान थे। इनका जन्म 1 अप्रैल, 1621 ई. को अमृतसर में हुआ। प्रचलित धारणा है कि जब भी मानवता पर घोर अत्याचार होता है, तब मानवता की रक्षा और धर्म की स्थापना के लिए, किसी महापुरुष का आगमन होता है। गुरु जी के जन्म के समय, हिन्दुस्तान पर मुगल बादशाह औरंगजेब का राज था जिसका मंसूबा पूरे भारत का इस्लामीकरण करना था। धर्म परिवर्तन के लिए औरंगजेब द्वारा जारी अत्याचार से सताए हुए तत्कालीन हिंदू नेता पंडित कृपा राम जी कश्मीर से

अपने साथियों के साथ आनंदपुर साहिब (पंजाब) में गुरु तेग बहादुर के पास पहुंचे।। गुरु जी ने उनकी फरियाद सुनकर कहा कि ऐसे अत्याचारों को रोकने के लिए, किसी महापुरुष को बलिदान देना होगा। उस समय बालक गोबिंद राय ने पूरी वार्ता सुनकर अपने पिता गुरु तेग बहादुर जी से कहा कि, आप जी से बड़ा कोई महापुरुष नहीं है। इसलिए बलिदान आपको ही देना चाहिए। यह सुनकर, गुरु जी ने फरियादियों से कहा कि जाओ, औरंगज़ेब को कह दो, कि यदि गुरु तेग बहादुर जी धर्म परिवर्तन कर लेंगे, तो पूरा भारत इस्लाम कबूल कर लेगा। यह संदेश जब औरंगज़ेब को मिला तो उसने गुरु जी को दिल्ली दरबार में उपस्थित होकर इस्लाम कबूल करने को कहा। तब गुरु जी ने दृढ़तापूर्वक फ़तवा मंजूर करने से इनकार कर दिया। बादशाह ने अपनी अवज्ञा का परिणाम मृत्यु के रूप में कबूलने के लिए कहा। सज़ा की तारीख 11 नवंबर, 1675 तय करके चांदनी चौक, दिल्ली में गुरु जी के साथ गए तीन श्रद्धालुओं - भाई दयाला जी, भाई सती दास जी और भाई मती दास जी को क्रमशः देग में उबाला, जलाया और आरे से चीरकर शहीद कर दिया। इसके बाद भी जब गुरु तेग बहादुर घबराए नहीं, बल्कि दृढ़ रहे, तब गुरु जी का शीश भी धड़ से अलग कर दिया। भाई जैता जी वहां से उनका शीश लेकर पंजाब के लिए चल दिये।

भाई जैता जी की दिल्ली से आते हुए, गांव गढ़ी कुशाला (बढ खालसा) सोनीपत में, शीश सहित मुगल फौज ने घेर लिया। इस गांव के, गुरु घर के सेवक भाई कुशाल सिंह दहिया ने अपने शीश को पुत्र के जरिये फौज के हवाले कर दिया और फिर भाई जैता जी फौज को चकमा दे कर, शीश सहित तरावड़ी, अम्बाला से होते हुए श्री आनंदपुर साहिब पहुंचे। उनके शीश को आनंदपुर साहिब पहुंचाने के लिए भाई जैता जी ने सेवा निभाई। पवित्र शरीर का दाह संस्कार लक्खी शाह वंजारा, जो उस समय वश्वि के अमीर लोगों में शामिल थे, ने अपने गांव रायसिना (दिल्ली) में अपने घर में रखकर किया था।गर्व की बात है कि हमारा हिंदुस्तान गुरुओं, संतों, महापुरुषों, फकीरों का देश है। यहीं हरियाणा प्रदेश में कुरुक्षेत्र की धरती पर अधर्म के विरुद्ध धर्म की रक्षा के लिए महाभारत का युद्ध हुआ एवं भगवान श्री कृष्ण ने गीता का उपदेश दिया।

मोतीझील में गुरु तेग बहादुर साहिब जी के शहीदी दिवस पर गूंजा वाहेगुरु

ढाई लाख से अधिक संगत ने श्रद्धा से छका लंगर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। मोतीझील मैदान मंगलवार को भक्ति, सेवा और एकता की अलौकिक मिसाल बना रहा। श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के तत्वावधान में हिन्द की चादर श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी का 350वां शहीदी दिवस अत्यंत श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। भव्य पंडाल में दिनभर वाहेगुरु का उद्घोष गूंजता रहा और शबद-कीर्तन से वातावरण गुरुवाणीमय बना रहा

पंथ प्रसिद्ध रागी भाई मोहकम सिंह (पांवटा साहिब), भाई अमनदीप सिंह (माता कौला भलाई केन्द्र अमृतसर) तथा गुरमत विचारक निर्मल सिंह रंधावा (वंशज बाबा बुड्ढा साहिब) ने अपनी मधुर वाणी से संगत को निहाल किया।

कीर्तन के दौरान हजारों की संख्या में लोग गुरुवाणी में लीन दिखे।

लंगर में भी श्रद्धा और सेवा की अद्भुत तस्वीर देखने को मिली। ढाई लाख से अधिक की संगत ने एक साथ पंगत में बैठकर लंगर छका।

शहर के बच्चे, युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक—हर वर्ग और धर्म के लोग सेवा भावना से ओतप्रोत दिखाई दिए। कोई बाल्टी में दाल लेकर सेवा करता दिखा, तो कोई डलिया में रोटियां और सब्जी परोसता रहा। पूरे दिन लगातार श्रद्धालुओं के लिए लंगर चलता रहा।

कार्यक्रम में श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर के चेयरमैन व पूर्व एमएलसी सरदार कुलदीप सिंह, प्रधान सिमरनजीत सिंह, प्रिंस वासू, तजिन्दर पाल सिंह, गुरविन्दर सिंह बिट्टू, सुखप्रीत सिंह बंटी सहित कई प्रमुख सेवादार मौजूद रहे।

पूरा आयोजन गुरु तेग बहादुर साहिब जी के बलिदान, मानवता और सार्वभौमिक एकता के संदेश को समर्पित रहा।

गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर रक्तदान शिविर

» भारी संख्या में लोगों ने उत्साह के साथ किया रक्तदान

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर आज अवध स्मृति संस्थान, जीटीबी अस्पताल, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन तथा रोटरी क्लब उत्तर के संयुक्त तत्वावधान में जीटीबी अस्पताल परिसर में एक विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में सुबह से ही समाजसेवकों, युवाओं, स्वयंसेवकों तथा जागरूक नागरिकों की भीड़ उमड़ पड़ी। बड़ी संख्या में लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा की मिसाल पेश की।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद रमेश अवस्थी ने रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान मानवता, त्याग और राष्ट्रधर्म का प्रेरक प्रतीक है। उन्होंने कहा कि रक्तदान केवल दान नहीं बल्कि किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का संकल्प है।कार्यक्रम में अवध स्मृति संस्थान के अध्यक्ष प्रवीण कुमार शुक्ल, डॉ. दीपक श्रीवास्तव, पवन शुक्ल, हरविंदर सिंह लार्ड, डॉ. नंदिनी रस्तोगी, मयंक गुप्ता, निशांत बढेरा, सुखविंदर सिंह लाडी, जसवीर सिंह भाटिया, नरेंद्र यादव सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शिविर में रक्तदान करने वाले सभी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र और धन्यवाद पत्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजन समिति ने आगे भी जनसेवा और स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रम लगातार आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

नातिन के लिए लड़का देखने गए बाबा को बेकाबू कार ने कुचला

रूरा पुल पर कार की टक्कर से बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल, निजी अस्पताल में चल रहा उपचार,मुकदमा दर्ज किया गया

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र में बीते दिनों हुए सड़क हादसे को लेकर ग्राम पतारी निवासी सुशील कुमार ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की है। पुलिस ने गाड़ी पकड़ने के बाद थाने से छोड़ दिया।

पीड़ित के पुत्र गोपाल पाण्डे के अनुसार उसका भतीजा मयंक पाण्डेय दिनांक 19 नवंबर को अपने दादा ओम प्रकाश पाण्डेय को मोटरसाइकिल पर बैठाकर रूरा से गांव वापस लौट रहा था। लगभग अपराह्न 3-30 बजे जैसे ही दोनों रूरा पुल पर पहुँचे, तभी सामने से आ रही कार संख्या रू॥43रू6582 के चालक ने तेज रफ्तार व लापरवाही से वाहन चलाते हुए गलत दिशा में आकर मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी।टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मयंक को चोटें आई, जबकि ओम प्रकाश की हालत अत्यधिक गंभीर बताई गई है। घायल बुजुर्ग को पहले नोवा ग्रेस अस्पताल अकबरपुर में भर्ती कराया गया, जहाँ स्थिति में सुधार न होने पर उन्हें कानपुर नगर स्थित कानिष्क अस्पताल रेफर किया गया है, जहाँ उनका उपचार जारी है।प्रार्थी ने बताया कि दुर्घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुँची और हादसा करवाने वाले वाहन को थाने में खड़ा कर लिया गया। वाहन स्वामी ने इलाज का पूरा खर्च उठाने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब वह मुकर गया है और धमकी भी दे रहा है।पीड़ित पक्ष ने रूरा थाने से घटना की रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।मामले की शिकायत अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार पांडे से भी की गई है।

कानपुर में राजकीय कुष्ठ चिकित्सा कर्मचारी संघ का अधिवेशन सम्पन्न

सुरेन्द्र सिंह गौर नौवीं बार अध्यक्ष निर्वाचित

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। एनयूएचएम सभागार, सीएमओ कार्यालय में सोमवार को राजकीय कुष्ठ चिकित्सा कर्मचारी संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन एवं चुनाव संपन्न हुआ। कार्यक्रम में एसीएमओ डॉ. महेश कुमार मुख्य अतिथि रहे, जबकि चुनाव प्रक्रिया राजा भरत अवस्थी (अध्यक्ष, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद) की देखरेख में हुई।

अधिवेशन को संबोधित करते हुए राजा भरत अवस्थी ने कहा कि कर्मचारियों की मूलभूत मांगों में आठवें वेतन आयोग का गठन तथा पुरानी पेंशन बहाली प्रमुख है। उन्होंने सरकार से इन मुद्दों पर शीघ्र निर्णय लेने की अपील की। डॉ. संजय कुमार ने भी कर्मचारियों की समस्याओं को उठाते हुए इन्हें प्राथमिकता से हल किए जाने की आवश्यकता बताई।

चुनाव प्रक्रिया संयुक्त पेंशनर्स कल्याण समिति के मंडल अध्यक्ष इं. ए.एन. द्विवेदी, परिषद के मंडलीय मंत्री अजय द्विवेदी, जिला मंत्री इंजीनियर कोमल सिंह तथा उन्नाव परिषद के जिला मंत्री रमेश उपाध्याय के निर्देशन में हुई। चुनाव में एक बार फिर विश्वास जताते हुए अध्यक्ष पद पर नौवीं बार सुरेन्द्र सिंह गौर, जबकि मंत्री पद पर चौथी बार आर.पी. मौर्य निर्वाचित हुए।इसके अलावा प्रदीप कुमार सोनी (उपाध्यक्ष), गुलाब कुमार (संयुक्त मंत्री), प्रमोद कुमार कनौजिया (कोषाध्यक्ष) और कृष्ण लाल कुरील (संप्रेक्षक) को भी भारी समर्थन से चयनित किया गया। निर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ ग्रहण राजा भरत अवस्थी द्वारा कराई गई। संघ के नव निर्वाचित अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह गौर ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान और अधिकारों की लड़ाई को पहले की तरह मजबूती से उठाया जाता रहेगा।

जीवित वृद्धा को कागजों में मृत दिखाने में ग्राम सचिव निलंबित

खबर का बड़ा असर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात माती। वृद्धावस्था पेंशन सत्यापन प्रक्रिया में व्याप्त अव्यवस्था एवं ग्राम स्तरीय कार्मिकों की घोर उपेक्षा एक बार पुन: सतह पर आ खड़ी हुई है। जीवित वृद्धा को मृत घोषित करने के मामले में डीपीआरओ ने तिलौंची ग्राम पंचायत में तैनात ग्राम पंचायत अधिकारी खुशबू श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उन्हें जिला पंचायत कार्यालय से संबद्ध कर दिया है।

» प्रशासनिक संवेदनहीनता उजागर, स्वराज इंडिया में समाचार प्रकाशित होने के बाद प्रशासन ने की कार्रवाई

बता दें कि तिलौंची निवासी वयोवृद्धा कुंती देवी ने 14 नवंबर को जिलाधिकारी कार्यालय में उपस्थित होकर यह शिकायत दर्ज कराई थी कि बिना किसी मैदानी सत्यापन, प्रत्यक्ष पुष्टि, अथवा दस्तावेजीय परीक्षण के उन्हें कागज़ी अभिलेखों में मृत दर्शा दिया गया, फलस्वरूप उनकी वृद्धावस्था पेंशन अचानक स्थगित कर दी गई। यह प्रकरण 15 नवंबर को स्वराज इंडिया अखबार में प्रमुखता से प्रकाश में आने पर जिलाधिकारी ने डीपीआरओ को जांच के आदेश दिए। बीडीओ सरवनखेड़ा द्वारा की गई जांच में पाया गया कि ग्राम पंचायत अधिकारी श्रीवास्तव ने सेवा-नीति के प्रतिकूल कार्य करते हुए अभिलेखों में गलत प्रविष्टि कर दी।

जांच रिपोर्ट मिलने पर डीपीआरओ ने ग्राम पंचायत अधिकारी को निलंबित कर दिया तथा उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व डेरापुर क्षेत्र में इसी प्रकार की गंभीर अनियमितता पर ग्राम सचिव आशाराम मिश्र भी निलंबित किए जा चुके हैं।

स्वराज इंडिया कानपुर देहात 08

जीते-जी मृत घोषित कर दी गई 75 वर्षीय वृद्धा कुंती देवी

वृद्धा पेंशन बंद, न्याय की तलाश में दर-दर भटक रही हैं महिला

15 नवंबर को स्वराज इंडिया में प्रकाशित खबर

कड़ी निगरानी के बीच कल से लिए जाएंगे 150 लोगों के नमूने

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। औद्योगिक क्षेत्र रनियां के खानचंद्रपुर में डंप क्रोमियम की वजह से भूजल दूषित हो चुका है। इससे जुड़े मजरे व पास के गांव उमरन में रहने वाले लोगों के शरीर में क्रोमियम की मात्रा के लिए जांच की जा रही है। लोगों के टाल-मटोली करने पर स्वास्थ्य विभाग सख्त हुआ है। बुधवार से 12 सदस्यीय टीम कड़ी निगरानी में 150 लोगों के रक्त व यूरिन के नमूने लेगी।

खानचंद्रपुर, उमरन व इनसे जुड़े मजरों की करीब सात हजार आबादी है। एनजीटी ने प्रभावित क्षेत्र के सभी लोगों के रक्त की जांच करवाने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से 26 नवंबर से 150 नए लोगों के शरीर में क्रोमियम व मर्करी जैसे तत्वों की जांच के लिए सैंपल लिए जाने हैं।

सीएमओ डॉ. एके सिंह ने बताया कि नमूने लेने के लिए 12 सदस्यीय टीम गठित की गई है। इसमें तीन डॉक्टर, एक फार्मासिस्ट, तीन एलटी व पांच पैरा मेडिकल कर्मियों को शामिल किया गया है। सैंपलिंग करने वाली टीम को प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है।

टीम लोगों का औचक सैंपल लेगी। इसके साथ ही लोगों में त्वचा, पेट व अन्य बीमारियों की भी जानकारी जुटाएगी। बता दें कि क्रोमियम का बढ़ते असर को ध्यान में रखते हुए एनजीटी की ओर से स्वास्थ्य विभाग को जांच का दायरा बढ़ाने के निर्देश दिए थे। इसपर विभाग की ओर से 29 व 30 अक्तूबर को 102 लोगों के रक्त व यूरिन के नमूने लिए थे। जिन्हें डॉ. राम मनोहर लोहिया मेडिकल कॉलेज में जांच के लिए भेजा गया था। इनमें से सभी लोगों के अंदर मानक से अधिक क्रोमियम पाया गया था। इससे पहले भी खानचंद्रपुर के 157 लोगों में मानक से अधिक क्रोमियम मिल चुका है।

किडनी व लीवर की भी हो रही जांच

सीएमओ डॉ. एके सिंह ने बताया कि खानचंद्रपुर व उमरन में बढ़े क्रोमियम का लोगों के शरीर पर असर होने के कोई भी लक्षण देखने को नहीं मिल रहे हैं। कहीं क्रोमियम लोगों के किडनी, लिवर आदि पर असर तो नहीं डाल रहा है। इसके लिए लोगों की क्रोमियम व मर्करी के साथ किडनी व लीवर फंक्शन टेस्ट भी करवाया जा रहा है।

जांच है जरूरी, अफवाहों को करें नजर अंदाज

खानचंद्र व उमरन के लोग पूर्व में क्रोमियम की जांच के लिए नमूने लेने पहुंचने वाली टीम का पूर्ण रूप से सहयोग नहीं किया था। इसके चलते टीम को नमूने लेने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस बार स्वास्थ्य अधिकारियों ने ईओ नगर पंचायत रनियां, बीडीओ सरवनखेड़ा, व पुलिस से लोगों को जागरूक करने के लिए सहयोग मांगा है। सरवनखेड़ा के प्रभारी बीडीओ विमल सचान ने बताया कि लोगों को जागरूक करने के लिए ब्लॉक के कर्मी स्वास्थ्य विभाग का पूर्ण रूप से सहयोग करने के लिए तैयार हैं। सरवनखेड़ा पीएचसी अधीक्षक डॉ. राकेश यादव ने कहा कि लोगों को क्रोमियम की जांच करवाना आवश्यक है। जांच से ही पता चल सकता है कि आपके शरीर में मानक से अधिक क्रोमियम है या नहीं। जांच के आधार पर डॉक्टर आपकी निगरानी आसानी से कर सकेगा और भविष्य में क्रोमियम से होने वाले खतरे से भी बचाव कर सकेगा।

निर्यात कारोबारियों को व्यापार बढ़ाने को मिलेगी सहायता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। निर्यात कारोबारियों को अब सरकार की तरफ से सुविधाएं मिलेंगी। इन सुविधाओं को छोटे निर्यातक या फिर निर्यात कारोबार शुरू करने वालों के लिए सबसे अधिक लाभप्रद माना जा रहा है। इसके अलावा बड़े निर्यातकों को टैरिफ के बाद नया बाजार तलाशने में सहायता भी मानी जा रही है। निर्यात विशेषज्ञों का कहना है कि केंद्र सरकार की इस पहल से शहर के निर्यातकों को भी निर्यात लक्ष्य बढ़ाने में बड़ी सहायता मिलेगी।

केंद्रीय बजट 2025-26 में घोषित निर्यात संवर्धन मिशन को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालयों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय और वित मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से संचालित किया गया है। जिससे निर्यात ऋण तक बेहतर पहुंच की सुविधा प्रदान करके, सीमा पार फैक्टरिंग को सक्षम करके और वैश्विक बाजारों में गैर-टैरिफ बाधाओं को दूर करने में एमएसएमई की सहायता करके निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाई जा सके। वाणिज्य विभाग मिशन का प्रमुख विभाग है। निर्यात विशेषज्ञों ने बताया कि मंत्रालय की प्राथमिक भूमिका यह है कि मिशन के प्रमुख उद्देश्यों, यानी निर्यात ऋण तक पहुंच में सुधार, सीमा पार फैक्टरिंग को सक्षम करना और गैर-टैरिफ बाधाओं के साथ सहायता करना, देश भर में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को लाभ पहुंचाने के लिए प्रभावी ढंग से लक्षित और कार्यान्वित किया जाता है। विशेषज्ञों ने यह भी बताया कि सरकार का यह कदम निर्यातकों, विशेष रूप से एमएसएमई के सामने आने वाली प्रमुख बाधाओं को दूर करने के लिए पारंपरिक तंत्र से परे दृष्टिकोण की खोज करके छह वर्षों (वित्त वर्ष 2025-31) में व्यापक, समावेशी और टिकाऊ निर्यात विकास को सक्षम करना चाहता है। निर्यातकों को मिली नई सुविधा पर फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाईजेशन के सहायक निदेशक आलोक श्रीवास्तव ने कहा कि केंद्र सरकार इस पहल से निर्यातकों को अपना कारोबार बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

लेखपाल ने शादी से एक दिन पहले फांसी लगा दी जान

सुबह कमरे का दरवाजा तोड़कर लोगों ने देखा शव, मौके पर पुलिस ने की जांच

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फतेहपुर। बिंदकी कोतवाली क्षेत्र स्थित खजुहा कस्बे में मंगलवार तड़के एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 28 वर्षीय लेखपाल सुधीर पुत्र स्वर्गीय श्यामलाल ने अपने ही घर में फांसी लगाकर जीवन समाप्त कर लिया। यह घटना उसकी शादी से ठीक एक दिन पहले हुई, जिससे परिवार और ग्रामीणों में सनसनी फैल गई।मंगलवार सुबह करीब 7 बजे जब काफी देर तक सुधीर के कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो पड़ोसियों और परिजनों ने आशंका जताई। दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया तो सुधीर का शव फंदे से लटकता मिला।

सूचना पर उप जिलाधिकारी प्रियंका अग्रवाल, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक हेमंत कुमार मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू की। सुधीर करीब डेढ़ वर्ष पहले लेखपाल के पद पर नियुक्त हुआ था। बुधवार को उसकी शादी बिंदकी क्षेत्र के सीतापुर गांव की युवती काजल पुत्री रघुनंदन के साथ तय थी और बारात इसी गांव में जानी थी। अचानक हुई इस घटना से दोनों परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। परिजनों ने बताया कि सुधीर पर काम का भारी दबाव था, जिसके चलते वह मानसिक तनाव में था। उनके अनुसार इसी तनाव के कारण उसने यह कदम उठाया होगा। हालांकि, पुलिस का कहना है कि आत्महत्या के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए परिजनों व स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है।

बेटे की मौत से रोते बिलखते परिजन

मृतक लेखपाल की फाइल फोटो

कुपवाड़ा में आतंकियों से लड़ते हुए हमीरपुर का जवान शहीद, गांव में मातम

2013 में हुई थी भर्ती, पीछे छोड़ी पत्नी और एक मासूम बेटी

» जम्मू-कश्मीर से पार्थिव शरीर लेकर सेना के जवान रवाना, गांव में इंतजार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

हमीरपुर। कुरारा क्षेत्र के कुसमरा गांव में मंगलवार को उस समय कोहराम मच गया जब गांव के बेटे और सेना के जवान गोविंद यादव (32) के शहीद होने की खबर घर पहुंची। सूचना मिलते ही परिवार सहित पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

गोविंद यादव पुत्र कुंवर सिंह वर्ष 2013 में भारतीय सेना में भर्ती हुए थे और इस समय उनकी तैनाती जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में थी। 23 नवंबर की शाम ड्यूटी के दौरान हुई मुठभेड़ में गोली लगने से वह शहीद हो गए। देर शाम सेना की ओर से परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। जिसके बाद से घर में मातम और आंसुओं का सन्नाटा पसरा हुआ है।

शहीद गोविंद एक बेटी के पिता थे पत्नी, माता-पिता और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के अनुसार सेना के जवान उनके पार्थिव शरीर को लेकर गांव के लिए रवाना हो चुके हैं। पार्थिव शरीर पहुंचने के बाद पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

गांव में क्षेत्रीय लोग और ग्रामीण लगातार शहीद के घर पहुंचकर परिजनों को ढांढस बंधा रहे हैं, लेकिन बेटे की शहादत से टूटा परिवार गहरे सदमे में है।

बिहार सरकारः गृह मंत्रालय भाजपा के पास, सम्राट चौधरी की बड़ी परीक्षा !

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भले ही दसवीं बार पद पर बैठे हों, लेकिन सत्ता का असली केंद्र अब भारतीय जनता पार्टी की ओर खिसकता साफ नजर आ रहा है

» बिहार की सत्ता समीकरण में बदला खेल

सम्राट चौधरी के सामने आठ बड़ी चुनौतियाँ

» 1. नीतीश मॉडल से तुलनाः- हर बड़ी घटना पर जनता और मीडिया यह सवाल उठाएगी– अगर नीतीश होते तो क्या होता?

» 2. पुलिस और अफसरशाही का भरोसा बनाए रखनाः-नीतीश के समय पुलिस को मिली स्वतंत्रता अब सम्राट की कसौटी होगी।

» 3. भाजपा नेतृत्व की अपेक्षाएँः- गृह मंत्रालय में उनका प्रदर्शन पार्टी की साख से सीधे जुड़ा है।

» 4. एनडीए में सामंजस्यः- कानून-व्यवस्था को लेकर सहयोगी दलों के बीच मतभेद उभरते रहे हैं।

» 5. सोशल मीडिया दबावः-हर घटना वायरल होगी, राजनीतिक बहस का हिस्सा बनेगी।

» 6. अपनी अलग पहचान बनानाः-नीतीश की शैली का प्रभाव रहते हुए अपनी छवि स्थापित करना।

» 7. जातीय-सामाजिक तनाव को नियंत्रित रखनाः- बिहार में छोटे विवाद भी बड़े रूप ले सकते हैं।

» 8. जनता का भरोसा बनाए रखनाः- सुशासन की छवि को कायम रखना सबसे बड़ी जिम्मेदारी।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

पटना। बिहार की राजनीति ने नया करवट ले लिया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भले ही दसवीं बार पद पर बैठे हों, लेकिन सत्ता का असली केंद्र अब भारतीय जनता पार्टी की ओर खिसकता साफ नजर आ रहा है। पटना में हुए शपथ ग्रहण समारोह में कुल 26 मंत्रियों में से 14 भाजपा और सिर्फ 8 जेडीयू के चेहरे शामिल रहे। यह संतुलन बदलाव स्पष्ट संकेत देता है कि सत्ता की कमान अब भाजपा के हाथों में मजबूत होती जा रही है।

सबसे बड़ा बदलाव गृह मंत्रालय के रूप में सामने आया है। करीब दो दशकों तक नीतीश कुमार के पास रहने वाला यह सबसे प्रभावशाली विभाग अब भाजपा को मिला है। डिप्टी मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को गृह मंत्री बनाया गया है। पुलिस, सुरक्षा, इंटेलिजेंस और कानून–व्यवस्था से जुड़ी तमाम शक्तियों के साथ यह विभाग राजनीतिक प्रभाव का भी केंद्र माना जाता है।

सम्राट चौधरी की नियुक्ति को भाजपा की रणनीतिक चाल के रूप में देखा जा रहा है। उनका आक्रामक राजनीतिक व्यक्तित्व और कुशवाहा जाति में उनकी पकड़ भाजपा को न केवल बिहार में, बल्कि उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी सामाजिक गणित साधने में मदद दे सकती है।

पार्टी की नजर 2029 लोकसभा चुनाव पर है और बिहार में गृह मंत्रालय की पकड़ को इसी रणनीति का हिस्सा बताया जा रहा है।जेडीयू और भाजपा के बीच सत्ता संतुलन भी बदल चुका है। भाजपा ने मंत्रिमंडल में 9 नए चेहरों को जगह दी है, जबकि सिर्फ 5 पुराने मंत्रियों को दोबारा मौका मिला।

इसके उलट जेडीयू को वित्त और सामान्य प्रशासन जैसे अहम लेकिन अपेक्षाकृत कम राजनीतिक प्रभाव वाले विभाग मिले हैं।बिहार की सत्ता में भाजपा का यह उभार और गृह मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण विभाग का नियंत्रण भविष्य की राजनीति के बड़े संकेत दे रहा है। आने वाले महीनों में सम्राट चौधरी की कार्यशैली ही तय करेगी कि भाजपा का यह दांव कितना सफल साबित होता है।

अयोध्या की गली-गली में गूंज रही राम धुन

ध्वजारोहण समारोहः उल्लास में डूबे श्रद्धालु चरम पर आध्यात्मिक माहौल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। ध्वजारोहण समारोह के लिए अयोध्या की गली–गली में राम धुन गूंज रही है। श्रद्धालु उल्लास में डूबे हैं। संतों में खासा उत्साह दिख रहा है। आध्यात्मिक माहौल चरम पर है। अयोध्या स्थित राम मंदिर के ध्वजारोहण समारोह के दौरान रामपथ, भक्तिपथ, धर्मपथ और जन्मभूमि पथ समेत अन्य मार्गों और गलियों में राम धुन गूंज रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन की खुशी में श्रद्धालु उल्लासित हैं। हर कोई भूमि पूजन और प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब राम मंदिर के ध्वजारोहण समारोह को लेकर आस्था के भाव से सराबोर है।

बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालु सरयू स्नान कर मंदिरों में दर्शन पूजन कर रहे हैं। इस मौके पर सुरक्षा चाक चौबंद है। एसपीजी, एनएसजी और एटीएस सड़कों और गलियों में मुस्तैद हैं। ध्वजारोहण और पीएम मोदी के आगमन के मौके पर अयोध्या को नई दुल्हन की तरह सजाया गया है। चौक चौराहे फूलों से सजे हैं। भव्यता ऐसी है कि त्रेता युग जैसा आभास हो रहा है।

श्रद्धालुओं ने गो–दान कर पुण्य अर्जित किया

राम मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण की शुभ सुबह अयोध्या पूरी तरह आस्था की रौ में डूबी नजर आई। पीएम मोदी के आगमन को लेकर शहर कई क्षेत्रों को सील भी किया गया है।

लेकिन, इन पाबंदियों के बावजूद श्रद्धालुओं के आस्था के कदम थमे नहीं। बड़ी संख्या में भक्त सरयू घाट पहुंचे। स्नान–दान के साथ ध्यान कर दिन की पवित्र शुरुआत की। कई श्रद्धालुओं ने गो–दान कर पुण्य अर्जित किया।

आस्था किसी भी बंदिश से बड़ी होती है

शहर के मंदिरों में घंटा–घड़ियाल लगातार गूंज रहे हैं।

भले ही सुरक्षा कारणों से रामलला के दर्शन आज संभव नहीं हो पा रहे, लेकिन अयोध्या के

अन्य मंदिरों में रोजमर्रा की तरह पूजा–अर्चना निर्बाध जारी है। पूरे शहर में आध्यात्मिक माहौल चरम पर है।

श्रद्धालुओं का उत्साह दर्शाता है कि आस्था किसी भी बंदिश से बड़ी होती है।

ध्वजारोहण के इस अवसर पर अयोध्या पूर्ण रूप से भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर है।

अयोध्या से मोदी की यात्रा अब पहुंची संकल्प से सिद्धि तक

समीर शाही स्वराज इंडिया

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राजनीतिक जीवन की लम्बी यात्रा में अयोध्या एक केन्द्रीय भाव की तरह रही है–एक संकल्प, एक प्रतीक्षा और एक निरंतर साधना की तरह। 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद से 5 अगस्त 2019 तक उन्हें बार-बार ताना सुनना पड़ा कि राम मंदिर सिर्फ चुनावी मुद्दा है, आस्था नहीं। आरोप लगता कि प्रधानमंत्री आते हैं, बगल से निकल जाते हैं अयोध्या से दूरी बनाए रखते हैं, लेकिन 5 अगस्त 2019 को रामजन्मभूमि पर मंदिर निर्माण की आधारशिला रखने के साथ ही यह कथन हमेशा के लिए ध्वस्त हुआ और अयोध्या यात्राओं का जो क्रम शुरू हुआ, वह हर वर्ष और अधिक दृढ़ता से आगे बढ़ता गया।

बीते छह वर्षों में यह प्रधानमंत्री का छठा अयोध्या आगमन है। प्रधानमंत्री ने केवल अयोध्या आकर दर्शन नहीं किए, बल्कि भगवान श्रीराम और रामनगरी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को विशाल विकास योजनाओं की सौगात के रूप में भी रखा। बड़े चुनावी झटके के बाद भी अयोध्या के विकास पर विराम लगने के कयास लगे थे, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने यह धारणा तोड़ दी। सडक़ों, पुलों, यातायात परियोजनाओं, पर्यटन विस्तार और आध्यात्मिक अवसंरचना

» तीन दशक बाद ध्वजारोहण के मुख्य अतिथि के रूप में फिर अयोध्या में पीएम मोदी

» आस्था केवल यात्राओं में नहीं, करोड़ों की योजनाओं में झलकती है प्रतिबद्धता

हर क्षेत्र में अभूतपूर्व गति ने अयोध्या को विश्व धार्मिक केंद्र के रूप में स्थापित करने की नींव रखी है।

रामविवाह के दिन ऐतिहासिक क्षण राम मंदिर के शिखर पर पहली बार धर्मध्वजा स्थापित हो गई है। इस ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह के मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रहे। पिछले वर्ष प्राण–प्रतिष्ठा के मुख्य अतिथि रहे मोदी ने अब मंदिर पूर्णता के प्रतीक शिखर पर ध्वज फहराया। यह समारोह रामविवाह के पावन वातावरण में और भी विशेष बन गया।

1990 की रथयात्रा से 2024 की प्राण–प्रतिष्ठा तक- तीन दशक का वृत्त पूरा ।1990 में लालकृष्ण आडवाणी की रथयात्रा के संयोजक के रूप में नरेंद्र मोदी अयोध्या पहुंचने वाले थे, लेकिन यात्रा समस्तीपुर में रोक दी गई। बाद में आडवाणी अयोध्या आए, लेकिन मोदी साथ थे या नहीं यह इतिहास में अस्पष्ट है। दूसरी बार 18 जनवरी 1991 को वह डॉ. मुरली मनोहर जोशी के साथ अयोध्या आए। तब उन्होंने पत्रकारों से कहा जब राम मंदिर बनेगा, तब फिर आऊंगा। उस समय यह सपना असंभव–सा लगता था न भाजपा की सत्ता, न मंदिर निर्माण पर समय का चक्र बदला। केंद्र में भाजपा का उदय, रामजन्मभूमि विवाद का समाधान, शिलान्यास, निर्माण और अंततः प्राण–प्रतिष्ठाज्सब कुछ उसी काल में पूरा हुआ जिस काल में मोदी स्वयं प्रधानमंत्री रहे। और ठीक 29 साल, 7 महीने, 13 दिन बाद 5 अगस्त 2020 को वे फिर अयोध्या पहुंचे। जैसा उन्होंने कहा था।

1991 में इसी नगरी में कहा था कि श्रीराम मंदिर बनेगा और मैं यहां आऊंगा

अयोध्या में मोदीः कुछ मुख्य पड़ाव

- » 18 जनवरी 1991- मुरली मनोहर जोशी के साथ पहली यात्रा
- » 5 अगस्त 2019-आधारशिला रखी
- » 23 अक्टूबर 2022 -दीपोत्सव में शामिल
- » 30 दिसंबर 2023-हजारों करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन व रोड शो
- » 22 जनवरी 2024-श्रीरामलला प्राण-प्रतिष्ठा के मुख्य अतिथि
- » 5 मई 2024 -चुनावी रोड शो
- » 25 नवंबर 2024 - मंदिर के मुख्य शिखर पर धर्मध्वजा फहराई

एक साधक की तरह अयोध्या से जुड़ाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अयोध्या यात्राएँ केवल राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक संकल्प की पूर्ति का अध्याय हैं। तीन दशक पहले जिन शब्दों में उन्होंने अपनी इच्छा व्यक्त की थी वह आज एक पूर्णता के रूप में सामने है। धर्मध्वजा का ध्वजारोहण अयोध्या ही नहीं—भारतीय जनमानस के लिए उस संकल्प की अंतिम रेखा है जिसके सूत्र दशकों पूर्व रथयात्रा के दिनों में बंधे थे। प्रधानमंत्री के इस विशेष आगमन के साथ अयोध्या एक बार फिर इतिहास के स्वर्णिम पन्ने पर दर्ज हो गया है।

अयोध्या

धर्मध्वजा से पहले पूर्व सांसद

विनय कटियार के बयान से राजनीति गरमाई

राजनीतिक क्षेत्रों में यह भी चर्चा कि 2024 लोकसभा चुनाव में टिकट न मिलने की खीज रहे कटियार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर में आज मंगलवार को धर्मध्वजा फहराने से पहले अयोध्या की हवा सिर्फ फूलों की खुशबू से नहीं, बल्कि राजनीति की तेज़ गंध से भी भारी हो चुकी है। 161 फीट ऊंचे शिखर पर पीएम मोदी ध्वजा फहराएंगे पर उसके एक दिन पहले जिस तरह बयानबाज़ी हुई, उसने माहौल को और गर्मा दिया है। बीजेपी के पूर्व सांसद फायरब्रांड नेता विनय कटियार अयोध्या पहुंचे। आते ही ऐसा तीखा तंज कसा कि पूरा राजनीतिक गलियारा हिल गया। कटियार ने कहा—मैं डरपोकों के बीच नहीं जाता। अगर मस्जिद–मकबरे नहीं उखाड़वाए होते, तो आज का दिन नहीं आता। मंदिर निर्माण का श्रेय लेने वाले महाझूठे हैं। राजनीतिक क्षत्र में यह भी चर्चा है कि 2024 लोकसभा चुनाव में टिकट न मिलने के बाद इस तरह के बयान से अपनी खीज मिटा रहे हैं।

अयोध्या फूलों से लदी, रामपथ 'जय श्री राम' से जगमगाया दूसरी तरफ शहर उत्सव में डूबा है। 1000 क्विंटल फूलों से अयोध्या की सजावट रामपथ पर कदम–कदम पर 'जय श्री राम' की रोशनी जिस दंड पर धर्मध्वजा चढ़ेगी। सोमवार शाम संघ प्रमुख मोहन भागवत मंदिर पहुंचे तो सीएम योगी ने हाथ जोडक़र उनका स्वागत किया इसे लेकर भी राजनीतिक संदेश निकाले जा रहे हैं।

सपा सांसद की उपेक्षा वह भी कहते है की बुलाते तो नंगे पैर दौडक़र जाता इतने भव्य आयोजन के बीच सबसे ज्यादा चर्चा सपा सांसद अवधेश प्रसाद के बयान की है। उन्होंने कहा श्रीराम सबके हैं। लेकिन बीजेपी राम मंदिर की ठेकेदार बनी हुई है। मुझे कार्यक्रम में नहीं बुलाया गया, बुलाते तो नंगे पैर दौडक़र जाता।

सांसद की यह पीड़ा बताती है कि धर्मध्वजा का मंच तो एक है, पर राजनीति कई पटरी पर भाग रही है। आज का दिन इतिहास में दर्ज होगा और सियासत में भी एक तरफ सोने से मढ़ा 161 फीट शिखर, दूसरी ओर नेताओं की तल्खियां, उपेक्षा और आरोप। अयोध्या में आज धर्मध्वजा फहरेगी, लेकिन सोमवार को जो बयान उड़े उन्होंने दिखा दिया कि धार्मिक आस्था जितनी ऊंची होती है, राजनीति उसके आसपास उतनी ही तीखी घूमती है।

पूर्व सांसद विनय कटियार

वर्तमान सांसद अवधेश प्रसाद सपा

ईमानदारी से चुनाव हो तो भाजपा को उनके घरवाले तक वोट न दें!

उत्तर प्रदेश में एसआईआर होने पर भड़के अखिलेश यादव

» बीएलओ को मशीन बनाकर 24 घंटे की काम की उम्मीद करना अमानवीय।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्ताधारी बीजेपी पर करारा हमला बोल दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ईमानदारी से चुनाव हो जाए तो भाजपाइयों के घरवाले तक उनको वोट नहीं देंगे। बीजेपी जाए तो शांति आए। अखिलेश यादव का ये बयान बिहार चुनाव के बाद यूपी में हो रहे एसआईआर को लेकर आया है। उन्होंने एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ का दर्द भी साझा किया है।

अखिलेश यादव ने एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट करते हुए कहा कि एसआईआर प्रक्रिया में बीएलओ को इतने कठिन और असंभव लक्ष्य दिए जा रहे हैं कि वे मानसिक रूप से टूट रहे हैं। एसआईआर का जो इम्प्रैक्टिकल टारगेट देकर आज आपके साथ अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है और मानसिक दबाव बनाया जा रहा है, वो बेहद निंदनीय और घोर आपत्तिजनक है।

अखिलेश यादव ने सवाल उठाया कि अगर बीएलओ तनाव में आकर नौकरी छोड़ रहे हैं या अपनी जान जोखिम में डाल रहे हैं, तो इस सियासी घपले का खामियाजा उन्हें क्यों भुगतना पड़ रहा है? अखिलेश ने कहा कि बीएलओ को किसी भी गलती के लिए जिम्मेदार ठहराना पूरी तरह अन्याय है। सपा मुखिया ने देशभर के सरकारी कर्मचारियों से अपील की कि वे एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करें। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हर बीएलओ के साथ खड़ी है और उनके मुद्दों को प्राथमिकता से उठाती रहेगी।

बीएलओ से की अपील

अखिलेश यादव ने बीएलओ से यह भी अनुरोध किया कि वे किसी भी तरह का ऐसा कदम न उठाएं जिससे उनके परिवार पर प्रभाव पड़े। उन्होंने कहा कि बीजेपी राज का यह कठिन दौर भी खत्म होगा, क्योंकि हर क्रूर शासन का अंत होता है। अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता अब सरकार की ज्यादतियों से त्रस्त है और जनाक्रोश अपने चरम पर है। उन्होंने कहा कि लोगों को डराते-डराते भाजपा खुद डर गई है। भाजपा अपने अंतकाल की ओर बढ़ रही है।

ध्वजारोहण समारोह में अयोध्या सांसद अवधेश प्रसाद को नहीं मिला आमंत्रण

आपको बता दें कि अवधेश प्रसाद फैजाबाद लोकसभा सीट से निर्वाचित सांसद हैं। इस महत्वपूर्ण आयोजन में उन्हें आमंत्रित न किए जाने से राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। सपा सांसद ने खुद को आमंत्रण ना मिलने पर दुख जताया था। उन्होंने कहा कि अगर बीजेपी ध्वजारोहण कार्यक्रम का आमंत्रण देती है तो वह नंगे पांव राम मंदिर जाएंगे। वहीं कांग्रेस सांसद ने अखिलेश यादव और राहुल गांधी के अयोध्या नहीं जाने पर कहा कि यह तो अपनी आस्था है। उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें राहुल गांधी और अखिलेश यादव के अलावा कोई और दिखाई देता है या नहीं या सिर्फ वहीं दिखाई देते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या उन्हें आडवाणी नहीं दिखाई देते? आडवाणी भी तो राम मंदिर के दर्शन को नहीं गए।

पीएम ने गुरु तेग बहादुर को श्रद्धासुमन किए अर्पित

नवाया शीश, प्रदर्शनी का किया अवलोकन

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

कुरुक्षेत्र। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरियाणा में श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के पावन अवसर पर गुरु महाराज को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए शीश नवाया। इस दौरान मंच पर गुरबाणी का भावपूर्ण आयोजन किया गया, जिसमें रागियों ने गुरु तेग बहादुर जी के जीवन, त्याग और बलिदान को समर्पित शबदों का सुंदर कीर्तन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं ने गुरु महाराज के प्रति अपनी आस्था और कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने गुरु तेग बहादुर जी के अद्वितीय बलिदान और मानवता की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च त्याग को नमन करते हुए देशवासियों को भी उनकी शिक्षाओं पर चलने का संदेश दिया।।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौवें सिख गुरु, गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित विशेष कार्यक्रम में भाग लिया। गुरु तेग बहादुर की बहादुरी को समर्पित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान सीएम सैनी उनके साथ मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाभारत अनुभव केंद्र का दौरा किया। यह एक इमर्सिव अनुभव केंद्र है जिसमें महाभारत के महत्वपूर्ण प्रसंगों को दर्शाने वाली इंस्टॉलेशन हैं, जो इस महाकाव्य की शाश्वत सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्ता को उजागर करती हैं।

» पीएम मोदी ने महाभारत अनुभव केंद्र का किया दौरा।

बता दें कि पीएम मोदी 2014 में लोकसभा चुनाव से पहले धर्मनगरी आए थे, जहां उन्होंने तत्कालीन पार्टी प्रत्याशी राजकुमार सैनी के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित किया था। इसके बाद वे इसी वर्ष विधानसभा चुनाव में भी पहुंचे और थीम पार्क में रैली को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने मेला ग्राउंड में स्वच्छता अभियान के तहत ग्राम पंचायतों व महिलाओं को सम्मानित भी किया था। वे 2019 के लोकसभा व विधानसभा चुनावों में भी पहुंचे थे और 2024 के विधानसभा चुनाव के दौरान थीम पार्क में रैली को संबोधित किया था। 2014 में प्रधानमंत्री ने चुनावी रैली में कुरुक्षेत्र में सत्य की असत्य पर जीत की धरा होने का जिक्र करते हुए यहां पर्यटन की अपार संभावनाएं जताई थीं। उनके पहले कार्यकाल में ही कुरुक्षेत्र को कृष्णा सर्किट में शामिल किया था और केडीबी को 500 करोड़ का बजट भी मिला था। अब प्रधानमंत्री 204 करोड़ के महाभारत अनुभव केंद्र व दो करोड़ से तैयार पंचजन्य समारक का उद्घाटन करेंगे।

लखनऊ में बन रहा देश का पहला मैंगो थीम पार्क

108 प्रजातियों के 2,068 पौधों से सजेगा क्षेत्र

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पर्यटन को बढ़ावा देने, हरियाली को विस्तार देने और जैव-विविधता को संरक्षित करने की दिशा में नगर निगम एक अनोखी पहल को साकार कर रहा है। रायबरेली रोड स्थित किसान पथ के पास कल्ली पश्चिम में 15 एकड़ में देश का पहला मैंगो थीम पार्क बनाने की तैयारी चल रही है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने पार्क का विस्तृत निरीक्षण किया और सीएनडीएस के किए जा रहे निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की है। नगर आयुक्त ने बताया कि यह पार्क शहर का ही नहीं, बल्कि देश का एक अनूठा मैंगो थीम पार्क होगा। जिसमें आम की 108 प्रजातियों के 2,068 पौधे लगाए जाएंगे।

नगर आयुक्त गौरव कुमार ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा और गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूरे किए जाए। इस पार्क में आम की 108 प्रजातियों के 2,068 पौधे लगाए जा रहे हैं, जिसमें अम्रपाली, दशहरी, अंबिका, चौसा सहित अनेक प्रसिद्ध किस्में शामिल हैं। मिशन अमृत 2.0 के अंतर्गत विकसित हो रहा यह मैंगो पार्क अपनी थीम आधारित संरचना के कारण विशेष पहचान हासिल करेगा। यह पार्क केवल हरियाली का स्थान नहीं होगा, बल्कि आम पर आधारित शिक्षा, अनुसंधान और जागरूकता का केंद्र भी बनेगा।

मैंगो थीम पार्क का सबसे बड़ा आकर्षण बनने जा रहा है मैंगो म्यूज़ियम, जिसे 400 वर्गमीटर क्षेत्र में विकसित किया जा रहा है। यहां देशभर में पाई जाने वाली आम की 775 प्रजातियों की जानकारी डिजिटल तकनीक के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। पार्क में एक मैंगो हाट भी स्थापित किया जा रहा है। जहां आम और उनसे बने उत्पादों का प्रदर्शन व बिक्री होगी। इससे स्थानीय किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध होगा और पर्यटन के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। इसके लिए उद्यान विभाग और रहमानखेड़ा स्थित केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान का तकनीकी सहयोग लिया जा रहा है।

पार्क की सुंदरता बढ़ाने के लिए 1,930 वर्गमीटर में एक खूबसूरत तालाब विकसित किया जा रहा है। इसमें वाटर लिली और कमल के पौधे लगाए जाएंगे, जो पार्क की हरियाली और वातावरण को और आकर्षक बनाएंगे। इसके अलावा पार्क में चार मैंगो म्यूरल, एक ट्री म्यूरल, थीम आधारित लैंडस्केपिंग भी की जा रही है। पार्क के अंदर की पगडंडियों और मार्गों को विभिन्न आम की प्रजातियों के नाम पर रखा जाएगा। शाम के समय पार्क को रोशन करने वाली लाइटें भी आम के आकार की होंगी, जो इसके थीम को और जीवंत बनाती हैं। एंट्री गेट पर पत्थर से बना विशाल आम आगंतुकों का स्वागत करेगा।

मैंगो पार्क को जैव-विविधता पार्क का स्वरूप देने की भी तैयारी चल रही है। इस उद्देश्य से यहां कुल 18,828 पौधों का रोपण किया जा रहा है। बाउंड्रीवॉल के आसपास बरगद, पीपल, अमलतास और गुलमोहर जैसे छायादार पेड़ों की लाइन लगाई जा रही है। इसके साथ ही मियावाकी पद्धति से 20 प्रजातियों के 1,260 पौधे लगाए जा रहे हैं, जिनमें आम, अमरूद, आंवला, अशोक, जामुन, नींबू, करौंदा, शीशम आदि शामिल हैं। यह क्षेत्र एक घने मिनी-फॉरेस्ट के रूप में विकसित किया जाएगा।

बच्चों की मनोरंजन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पार्क में 17 आधुनिक झूले लगाए जा रहे हैं। परिवारों और पर्यटकों के बैठने के लिए पर्याप्त बेंच भी लगाई जा रही हैं, ताकि यह पार्क सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए मनोरंजन और ज्ञान का बेहतरीन केंद्र बन सके। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने साफ किया कि लखनऊ का यह मैंगो पार्क आने वाले समय में शहर के पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण और जैव-विविधता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। नगर निगम इस पार्क को लखनऊ का प्रमुख पर्यटन स्थल बनाने के लिए तेजी से कार्य कर रहा है।लखनऊ के पर्यटन प्रेमियों और प्रकृति के शौकीनों के लिए यह पार्क आने वाले दिनों में एक बड़ा उपहार साबित होगा।